**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) ___________________________

   (Name) ___________________________

2. (Signature) ___________________________

   (Name) ___________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

**J 1 0 1 0**

**Test Booklet No.**

Time : **2 $^{1}/_{2}$** hours]

# PAPER-III
# SOCIAL WORK

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   **No Additional Sheets are to be used.**
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   **इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

## SOCIAL WORK
## समाज कार्य

## PAPER – III
## प्रश्नपत्र – III

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

## SECTION – I
## खण्ड – I

**Note :** This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

**नोट :** इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. (a) How far the new act on 'Right of Children to Free and Compulsory Education' can contribute for the development of Human Capital in India ?
'नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार' का नया अधिनियम भारत में मानव पूँजी के विकास में कहाँ तक योगदान दे सकता है ?

**OR / अथवा**

(b) Community based social work practice is more relevant in Indian context. Comment.
'भारतीय संदर्भ में समुदाय आधारित समाज कार्य क्षेत्रीय कार्य अभ्यास अधिक प्रासंगिक है ।' टिप्पणी करें ।

2. (a) "Integrated approach in social work practice can alleviate social problems." Justify.

"समाज कार्य अभ्यास में एकीकृत अभिगम सामाजिक समस्याओं को कम कर सकता है ।" इस कथन के औचित्य पर चर्चा कीजिए ।

**OR / अथवा**

(b) How macro level developmental models brought environmental social movements in India ? Discuss.

किस प्रकार से समष्टि स्तरीय विकास मॉडलों द्वारा भारतवर्ष में पर्यावरण सम्बन्धी सामाजिक आन्दोलन को जन्म दिया गया है ? विवेचना कीजिए ।

**SECTION – II**
**खण्ड – II**

**Note :** This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

**Elective – I**
**विकल्प – I**

3. Hawthorne studies have made significant contribution to human resource approach – Comment.
हॉवथॉर्न अध्ययनों ने मानव संसाधन अभिगम के प्रति महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है – टिप्पणी करें ।

4. Define collective bargaining and explain the role of Trade Union in negotiations.
सामूहिक सौदेबाजी की व्याख्या करें और समझौते की बातचीत में श्रमिक संघ की भूमिका स्पष्ट करें ।

5. Define 'wages' and discuss major provisions pertaining to standard deductions from wages, as per the Minimum Wages Act, 1936.
'मजदूरी' की परिभाषा दें और न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1936 के अनुसार, मजदूरी में से मानक कटौतियों से सम्बन्धित प्रावधानों की विवेचना करें ।

**OR / अथवा**

**Elective – II**

**विकल्प – II**

3. Critically examine the adequacy of Health Policies in India.
भारतवर्ष में स्वास्थ्य नीतियों की यथेष्ठता की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

4. Discuss the psycho-social factors of mental disorders.
मानसिक व्याधियों के मनो-सामाजिक कारकों की विवेचना कीजिए ।

5. Discuss the role of social worker in Child Guidance Centre.
बाल निर्देशन केन्द्र में समाज कार्यकर्ता की भूमिका की विवेचना कीजिए ।

**OR / अथवा**

**Elective – III**

**विकल्प – III**

3. What are the different models of Community Development ? Which model is appropriate in Indian context ?
सामुदायिक विकास के भिन्न मॉडल कौन से हैं ? भारतीय संदर्भ में कौन सा मॉडल उपयुक्त है ?

4. Explain the salient features of Panchayat Raj System in India.
भारत में पंचायत राज व्यवस्था की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

5. Suggest comprehensive measures for Rural Development and Urban Renewal, so that rural exodus and urban malaise can be addressed properly.
ग्रामीण विकास और शहरी नवीनीकरण के व्यापक उपाय बताइए, जिससे कि ग्रामीण निर्गमन और शहरी रुग्णता का उचित तरह से उपचार किया जा सके ।

**OR / अथवा**

**Elective – IV**

**विकल्प – IV**

3. Analyse the changing demographical and social situations of Aged in India. Discuss social work interventions for promoting the wellbeing of aged.
भारतवर्ष में बुजुर्गों की बदलती जनांकिकीय और सामाजिक स्थितियों का विश्लेषण कीजिए । बुजुर्गों के कल्याण को बढ़ाने के लिये समाज कार्य हस्तक्षेपों की चर्चा कीजिए ।

4. Briefly describe the salient features of legislations pertaining to the protection and promotion of women in India. Suggest measures for their effective implementation.
भारत वर्ष में महिलाओं की सुरक्षा और उन्नयन से सम्बन्धित विधानों की मुख्य विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें । उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये उपाय बताइए ।

5. Highlight the significant contributions of international agencies for the protection and promotion of the interests of the children in India.
भारत वर्ष में बच्चों के हितों की सुरक्षा और उन्नयन के लिये अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों के महत्त्वपूर्ण योगदानों का उल्लेख करें ।

**OR / अथवा**

**Elective – V**

**विकल्प – V**

3. Throw light on the forms and limitations of punishment.
   दंड के स्वरूपों और परिसीमाओं पर प्रकाश डालें ।

4. Discuss the laws pertaining to juveniles and discuss their relevance.
   किशोर अपराधियों से सम्बन्धित कानूनों की विवेचना करें और उनकी प्रासंगिकता की विवेचना करें ।

5. Discuss the role of social worker in correctional settings.
   सुधारात्मक परिवेशों में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की विवेचना करें ।

## SECTION – III
## खण्ड – III

**Note :** This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

**नोट :** इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Human Rights and Social Justice are the principal aspects of social work practice. Discuss.
मानवाधिकार और सामाजिक न्याय सामाजिक कार्य अभ्यास के मुख्य पहलू हैं, विवेचना करें ।

7. Explain the concepts : 'Urban', 'Urbane', Urbanism' and 'Urbanization'.
इन अवधारणाओं : 'अरबन', 'अरबेन', 'अरबनिज्म' और 'अरबनाइजेशन' की व्याख्या करें ।

8. Throw light on coping mechanisms.
समायोजी या साधक क्रियाविधि को स्पष्ट करें ।

9. ‘Relationship is the key in the hands of social case worker’. Illustrate your answer.
‘सामाजिक वैयक्तिक कार्यकर्त्ता के हाथों में सम्बन्ध की कुंजी रहती है ।’ अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरणों से कीजिए ।

10. Discuss the significance of 'Task Oriented Group'.
'कार्य-अभिमुखीकृत समूह' के महत्त्व की विवेचना करें ।

11. Bring out the differences between Community Organization and Community Development.
सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास के बीच अन्तर स्पष्ट करें ।

12. Highlight the limitations of social statistics in Social Work Research.
समाज कार्य शोध में सामाजिक सांख्यिकी की सीमाओं को उजागर करें ।

13. Discuss the importance of monitoring and evaluation in Project Management.

परियोजना प्रबन्ध में मॉनिटरिंग और मूल्यांकन के महत्त्व की विवेचना करें ।

14. Discuss the different indicators of Social Development.

सामाजिक विकास के भिन्न सूचकों की विवेचना करें ।

## SECTION – IV
## खण्ड – IV

**Note :** This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

**(5 × 5 = 25 marks)**

**नोट :** इस खंड मे निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Empowerment has become a popular concept in regeneration strategies for disadvantaged communities. It is important to consider what empowerment might mean in this context, why it is so difficult to achieve, how practioners might approach it and indicators to measure performance. It is suggested that, despite the problem of ambiguity of the concept and the constraints, it is nonetheless a worthwhile objective. Empowerment is not an outcome of a single event ; it is continuous process that enables people to understand, upgrade and use their capacity to better control and gain power over their own lives. It provides people with choices and the ability to choose, as well as to gain more control over resources they need to improve their condition. It expands the 'political space' within which Assessment-Analysis-Action processes operate in any community (Schuftan, 1996).

However, some others view empowerment as a fashionable term that gained currency over recent years. Generally used in the context of development projects, women's movements, education, welfare and family support programmes. Its defining feature is a participatory approach which aims to 'enable people to emancipate themselves' (Kronenburg, 1986). Definitions of empowerment tend to be soft, for instance : 'empowerment is a process aimed at consolidating, maintaining or changing the nature and distribution of power in a particular cultural context' (Bookman and Morgen, 1988). This is not particularly helpful since the direction of the change in the distribution of power is not indicated. According to another account, empowerment 'is taken to mean a group process where people lack an equal share of valued resources gain greater access to, and control over, those resources ('Empowerment', 1990). The term has also been used in a populist sense, as in the empowerment of the lower caste people through 'People Power'. More critical is the view of Sen and Grown (1988) for whom empowerment begins with 'self-definition' and is concerned with the 'transformation of the structures of subordination'.

अभावग्रस्त समुदायों के लिये पुनरुद्धार रणनीतियों में से सशक्तीकरण लोकप्रिय अवधारणा बन गई है । यह समझ लेना आवश्यक है कि इस संदर्भ में सशक्तीकरण का क्या अर्थ होगा, इसे प्राप्त करना क्यों इतना कठिन है, किस प्रकार अभ्यासकर्त्ता इसे और निष्पादन को मापने के सूचक को समझेंगे । यह बताया जाता है कि अवधारणा की अस्पष्टता और प्रतिबन्धों के बावजूद, यह फिर भी लाभप्रद उद्देश्य है । सशक्तीकरण एक अकेली घटना का परिणाम नहीं है; यह सतत प्रक्रिया है, जो कि लोगों को, अपने खुद के जीवन पर नियन्त्रण पाने और उसे बेहतर जीने की अपनी क्षमता को समझने, उसका उपयोग करने और उसे उन्नत करने के योग्य बनाता है । यह

लोगों को विकल्प और चयन करने की क्षमता प्रदान करता है, और अपनी स्थिति को सुधारने के लिये आवश्यक संसाधनों पर ज्यादा नियन्त्रण पाने की योग्यता प्रदान करता है । यह 'राजनीतिक स्थान' को विस्तृत करता है जिसके अन्दर, किसी भी समुदाय में, मूल्यांकन-विश्लेषण-कार्य प्रक्रियाएँ परिचालित होती हैं (सुफटान, 1996) ।

तथापि, कुछ अन्य विद्वान सशक्तीकरण को फैशन परस्त शब्द के रूप में देखते हैं जो कि हाल ही के वर्षों में प्रचलन में आ गया है । सामान्यत: यह विकास परियोजनाओं, स्त्रियों के आन्दोलनों, शिक्षा, कल्याण एवं परिवार सहायता कार्यक्रमों के सन्दर्भ में उपयोग किया जाता है । इसकी स्पष्ट विशेषता सहभागी अभिगम है जो लोगों को 'अपने को स्वतन्त्र करने के योग्य बनाना लक्षित करता है' (क्रोनेनबर्ग, 1986) । सशक्तीकरण की परिभाषाएँ अस्पष्ट होने लगती हैं, उदाहरण के लिये, 'सशक्तीकरण' एक प्रक्रिया है, जो एक विशेष सांस्कृतिक सन्दर्भ में सत्ता के समेकन, उसका स्वरूप व विभाजन कायम रखने या बदलने का लक्ष्य करती है (बुकमैन एवं मॉर्गन, 1988) । यह विशेष रूप से सहायक नहीं है, क्योंकि सत्ता के विभाजन में परिवर्तन की दिशा का संकेत नहीं किया गया है । एक अन्य वृत्तान्त के अनुसार, सशक्तीकरण को 'समूह प्रक्रिया के अर्थ में लिया जाता है, जहाँ लोगों के पास मूल्यवान संसाधनों के समान हिस्से का अभाव होता है, उन संसाधनों तक ज्यादा बृहद पहुँच, और उन पर नियन्त्रण का अभाव होता है' (सशक्तीकरण, 1990) । इस शब्द का उपयोग लोकप्रिय अर्थ में भी किया गया है, जैसे कि 'जनसाधारण की सत्ता' के माध्यम से निम्न जाति के लोगों के सशक्तीकरण में । सेन एवं ग्राऊन (1988) का विचार ज्यादा आलोचनात्मक है । इनके लिये, सशक्तीकरण की 'शुरुआत' स्वपरिभाषा से होती है और वो अधीनस्थता की संरचनाओं के रूपान्तरण के साथ सरोकार रखता है ।

15. How has the concept of empowerment gained popularity ?
सशक्तीकरण की अवधारणा किस प्रकार लोकप्रिय हो गई है ?

16. Why empowerment is considered a process ?
सशक्तीकरण को क्यों प्रक्रिया समझा जाता है ?

17. Over recent years in which contexts the term empowerment is being used ?

हाल ही के वर्षों में सशक्तीकरण का शब्द किन सन्दर्भों में उपयोग किया जा रहा है ?

18. What are the various ways the empowerment is understood ?

सशक्तीकरण को और किन तरीकों से समझा जाता है ?

19. Give the gist of the passage.

परिच्छेद का सार क्या है ?

| FOR OFFICE USE ONLY | |
|---|---|
| Marks Obtained | |
| Question Number | Marks Obtained |
| 1 | |
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |
| 20 | |
| 21 | |
| 22 | |
| 23 | |
| 24 | |
| 25 | |
| 26 | |

Total Marks Obtained (in words) ..........................................

(in figures) ..........................................

Signature & Name of the Coordinator ..................................

(Evaluation) Date .........................